

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

# निर्भयविलास ।

अर्थात्  
गीतगोविन्द  
भागत्रय.

जिसको ।

अक्षय सुखकी कामनावाले भगवद्भक्तोंके हितार्थ  
निर्भयरामजीने बनाया

उसीको

खेमराज श्रीकृष्णदासने  
बंवाई

निज “श्रीवेङ्कटेश्वर” (स्टीम्) मुद्रायन्त्रालयमें  
छापकर प्रसिद्ध किया ।

संवत् १९८०, शक १८४९,

सर्वाधिकार “श्रीवेङ्कटेश्वर” यन्त्रालयाधिकारिने  
स्वाधीन रक्खाहै ।